



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 196]  
No. 196]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 15, 2005/आषाढ़ 24, 1927  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 15, 2005/ASADHA 24, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2005

सं. 29 (आर ई-05)/2004—2009

फा. सं. 01/91/171/14/ए एम 06/पी सी-III.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 और प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैरा 1.1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा, प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1, में निम्नलिखित परिवर्धन करते हैं :—

2. प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैरा 2.50 के अन्तर्गत दूसरा उप-पैरा निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

“आई टी सी (एच एस) की अनुसूची-2 के परिशिष्ट-3 में यथानिर्दिष्ट स्पेशल कैमिकल्स, आर्गेनिज्म, मैटीरियल्स, इक्विपमेन्ट और टेक्नालॉजीस (एस सी ओ एम ई टी टी) के निर्यात के लिए आवेदनों पर विदेश व्यापार महानिदेशालय में एक अन्तः-मंत्रालीय कार्य समूह नीचे दिए गए दिशा निर्देशों के आधार पर विचार करेगा।

निर्यातकों को सलाह दी जाती है कि वे स्कोमेट सूची की मदों के निर्यात से संबंधित समय-समय पर जारी संगत मार्ग निर्देशों को प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में देखें।

सकोमेट सूची की मदों अथवा तकनालाजी के निर्यात हेतु लाइसेंसों के आवेदनों पर

निम्नलिखित सामान्य मानदंडों के अनुसार, मामला-दर-मामला आधार पर विचार किया जाएगा:-

I. स्कामेट सूची की मदों के निर्यात हेतु आवेदनों का मूल्यांकन अन्य के अलावा, निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा :-

(क) अन्तिम प्रयोक्ता प्रत्यय पत्रों, मद अथवा तकनालाजी के अन्तिम प्रयोग की घोषणाओं की विश्वसनीयता, आपूर्तिकर्ता से अन्तिम प्रयोक्ता की श्रृंखला की सत्यनिष्ठा तथा मद अथवा तकनालाजी की क्षमता पर, इसे निर्यात के समय सहित, अन्तिम प्रयोक्ता को योगदान देने हेतु जिनका भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा अथवा विदेश नीति लक्ष्यों और उद्देश्यों से तालमेल न हो, विश्व गैर-प्रसार के उद्देश्यों, अथवा संधियों के तहत इसकी बाध्यताओं जिनके हेतु राज्य एक पक्ष हो।

(ख) मूल्यांकित जोखिम कि निर्यातित मदें आतंकवादियों, आतंकवादी समूहों तथा गैर-राज्य व्यक्तियों के हाथ में न पड़े ;

(ग) प्राप्तकर्ता राज्य द्वारा स्थापित निर्यात नियंत्रण उपाय

(घ) शस्त्रों और उनकी संपूर्णता के संबंध में प्राप्तकर्ता राज्य के कार्यक्रमों की क्षमताएं और उद्देश्य ;

(ङ.) मद (मदों) के अन्तिम प्रयोक्ता का मूल्यांकन ;

(च) निर्यात लाइसेंस आवेदन पर संबंधित द्विपक्षीय अथवा बहुपक्षीय समझौतों की व्यवहार्यता जिनके भारत एक पक्ष हो ।

II. निर्यात लाइसेंस हेतु आवेदन के विचारार्थ एक शर्त होगी, अन्य बातों के साथ-साथ इस आशय के विनिर्दिष्ट प्रमाणनों की प्रस्तुति कि :-

(क) मद को केवल उल्लिखित उद्देश्य हेतु प्रयोग किया जाएगा तथा यह कि प्रयोग को बदला नहीं जाएगा, न ही भारत सरकार की सहमति के बिना मदों में परिवर्तन नहीं किया जाएगा अथवा उनकी प्रतिकृति नहीं बनायी जाएगी ;

(ख) भारत सरकार की सहमति के बिना न तो मदों, न ही उनकी प्रतिकृतियों और न ही उनकी व्युत्पत्तियों को पुनः स्थानान्तरित किया जाएगा ;

(ग) अंतिम प्रयोक्ता भारत सरकार द्वारा अपेक्षित इन जांचों में मदद देगा ।

भारत सरकार प्राप्तकर्ता राज्य से अंतिम प्रयोग और गैर-पुनः स्थानान्तरण समेत, जैसा उपयुक्त हो, अतिरिक्त औपचारिक आश्वासन भी मांग सकती है ।

III. नीचे श्रेणी 0 की मदों हेतु आणविक ऊर्जा विभाग लाइसेंस प्राधिकारी है । आणविक ऊर्जा अधिनियम, 1962 के तहत विभाग द्वारा लागू मार्ग-निर्देश अधिसूचित किए जाते हैं । श्रेणी 0 की कतिपय मदों हेतु प्राप्तकर्ता राज्य से औपचारिक आश्वासनों में किसी नामकीय विस्फोटक यन्त्र में गैर प्रयोग शामिल होगा । श्रेणी 0 में कतिपय मदों के निर्यात हेतु लाइसेंस तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक स्थानान्तरण अतिरिक्त तौर पर पर्याप्त वास्तविक संरक्षण के तहत तथा उपयुक्त अन्तरराष्ट्रीय आणविक ऊर्जा एजेंसी (आई ए ई ए) सुरक्षा उपायों अथवा स्थानान्तरित मदों पर किसी पारस्परिक तौर पर सहमत नियंत्रणों के तहत न हो ।

IV. अतिरिक्त अंतिम प्रयोग शर्तों को मदों अथवा तकनालाजी के निर्यात हेतु लाइसेंसों में निर्धारित शर्तों में विनिर्दिष्ट किया जा सकता है जिनके व्यापक विध्वंस के हथियारों की सुपुर्दगी की सक्षम प्रणालियों के विकास और विनिर्माण में प्रयोग हेतु स्थानान्तरित होने की सम्भावना है ।

V. सूची की किसी भी मद हेतु “तकनालाजी” के स्थानान्तरण के लिए आवेदन को मद के निर्यात हेतु आवेदन माना जाएगा ।

VI. इस सूची में मदों (श्रेणी 0, 1 और 2 के अलावा अन्य) के निर्यात हेतु केवल प्रदर्शनी अथवा दिखाने के प्रयोजनों हेतु लाइसेंसों के लिए अंतिम प्रयोग अथवा अंतिम प्रयोक्ता प्रमाणनों की आवश्यकता नहीं होगी । (किसी श्रेणी में तकनालाजी हेतु प्रदर्शनी अथवा दिखाने के लिए कोई निर्यात लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा । श्रेणी 0, 1 और 2 के तहत मदों के लिए प्रदर्शनी अथवा दिखाने हेतु कोई लाइसेंस जारी किया जाएगा) ।

VII. जिन निर्यात की मदों का स्कोमेट सूची में उल्लेख नहीं है उन्हें भी व्यापक विध्वंस के हथियार और उनकी सुपुर्दगी प्रणालियों के अधिनियम (गैर-कानूनी गतिविधियों का निषेध) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत इन्हें भी विनियमित किया जाएगा ।

टिप्पणी 1 : लाइसेंस की किसी भी शर्त का उल्लंघन करके निर्यात अथवा निर्यात करने के प्रयास पर सिविल और/अथवा क्रिमिनल मुकदमा चल सकता है।

टिप्पणी 2 : विदेश में प्रदर्शनी अथवा दिखाने हेतु सूची में मदों के निर्यात हेतु लाइसेंस छः महीनों की अवधि के भीतर पुनः निर्यात की शर्त के मद्दे होगा । निर्यातक इन मदों हेतु विदेश में प्रदर्शनी के लिए निर्यात लाइसेंस का आवेदन करने का पात्र होगा यदि प्रदर्शक विदेश में लगी प्रदर्शनी के दौरान उस मद को बिक्री हेतु प्रस्तुत करे । यह बिक्री वैध लाइसेंस के बिना नहीं हो सकती ।

टिप्पणी 3 : इस सूची की श्रेणी-2 में मदों का निर्यात भी समय-समय पर जारी लागू मार्ग निर्देशों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा । इस श्रेणी की मदों के निर्यातकों को डी जी एफ टी से मार्ग निर्देश लेने की सलाह दी जाती है।

टिप्पणी 4 : निर्यातक “गन्तव्य लाइसेंस” हेतु आवेदन करने के पात्र होंगे जिन देशों और/अथवा देशों के समूहों को निर्यात हेतु केवल पुनः स्थानान्तरण शर्तों का लागू होना आवश्यक है ।

टिप्पणी 5 : निर्यातक यह अनुरोध करने के पात्र होंगे कि केवल उन्हीं शर्तों को लागू किया जाए जो स्कोमेट सूची की मदों के निर्यात हेतु सरकार से सरकार के बीच समझौते के प्रावधानों के तहत आवश्यक है ।

टिप्पणी 6 : “तकनीलाजी” (आई टी सी (एच एस) की अनुसूची-2 के परिशिष्ट-3 से संबंधित शब्दावली में प्रविष्टि ‘तकनालाजी’ को भी देखें)। स्कोमेट सूची में मद के निर्यात का अनुमोदन मद के संस्थापन, संचालन, रख-रखाव और मरम्मत हेतु आवश्यक न्यूनतम ‘तकनालाजी’ के उसी अंतिम प्रयोक्ता को निर्यात करने को प्राधिकृत करता है ।

3. इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 15th July, 2005

**No. 29 (RE-05)/2004—2009**

**F. No. 01/91/171/14/AM 06/PC-III.**—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009 and Paragraph 1.1 of the Handbook of Procedures (Vol-I), the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments and additions in the Handbook of Procedures (Vol-I).

2. The second sub-para under paragraph 2.50 of the Handbook of Procedures (Vol.I).stands amended to read as follows:-

“ An Inter-Ministerial Working Group in DGFT shall consider applications for export of Special Chemicals, Organisms, Materials, Equipment and Technologies (SCOMET) as specified in Appendix-3 to Schedule 2 of ITC(HS) on the basis of guidelines given below.

Applications for licences to export items or technology on the SCOMET List are considered case-by-case , based *inter alia* on the following general criteria :-

- I. The following factors, among others, are taken into account in the evaluation of applications for export of items on the SCOMET List:

a. Credentials of the end-user, credibility of declarations of end-use of the item or technology, the integrity of the chain of transmission of the item from the supplier to the end-user, and on the potential of the item or technology, including the timing of its export, to contribute to end-uses that are not in conformity with India's national security or foreign policy goals and objectives, the objectives of global non-proliferation, or its obligations under treaties to which it is a State party.

b. The assessed risk that the exported items will fall into the hands of terrorists, terrorist groups, and non-State actors;

c. Export control measures instituted by the recipient State;

d. The capabilities and objectives of the programmes of the recipient State relating to weapons and their delivery;

- e. The assessment of the end-uses of the item(s);
  - f. The applicability to an export licence application of relevant bilateral or multilateral agreements to which India is a party.
- II. A condition for the consideration of an application for an export licence is the submission of stipulated certifications to the effect, *inter alia*, that:
- a. The item will be used only for the purpose stated and that such use will not be changed, nor the items modified or replicated without the consent of the Government of India;
  - b. Neither the items nor replicas nor derivatives thereof will be re-transferred without the consent of the Government of India;
  - c. The end-user shall facilitate such verifications as are required by the Government of India.

The Government of India may also require additional formal assurances, as appropriate, including on end-use and non-retransfer, from the State of the recipient.

III. The Licensing Authority for items in Category 0 below is the Department of Atomic Energy. The applicable guidelines are notified by that Department under the Atomic Energy Act, 1962. For certain items in Category 0, formal assurances from the recipient State will include non-use in any nuclear explosive device. Licences for export of certain items in Category 0 will not be granted unless the transfer is additionally under adequate physical protection and is covered by appropriate International Atomic Energy Agency (IAEA) safeguards, or any other mutually agreed controls on transferred items.

IV. Additional end-use conditions may be stipulated in licences for the export of items or technology that bear the possibility of diversion to or use in the development or manufacture of, or use as, systems capable of delivery of weapons of mass destruction.

V. Applications for the transfer of "Technology" for any item on the List will be considered as an application for the export of the item itself.

VI. Licences for the export of items in this List (other than those under Category 0, 1 and 2) solely for the purposes of display or exhibition shall not require any end-use or end-user certifications. (*No export licence for display or exhibition shall be issued for 'Technology' in any category. No licence for display or exhibition shall be issued for items under Categories 0, 1, and 2.*)

VII. Export of items not on the SCOMET List may also be regulated under the provisions of the Weapons of Mass Destruction and their Delivery Systems (Prohibition of Unlawful Activities) Act, 2005.

*Note 1:* Export or attempt to export in violation of any of the conditions of licence shall invite civil and/or criminal prosecution.

*Note 2:* Licences for export of items in this List for display or exhibition abroad are subject to a condition of re-import within a period not exceeding six months. Exporters are entitled to apply for an export licence for such items exhibited abroad if the exhibitor intends to offer that item for sale during the exhibition abroad. Such sale shall not take place without a valid licence.

*Note 3:* The export of items in Category 2 of this list may also be controlled by other applicable guidelines issued from time-to-time. Exporters of items in this category are advised to seek guidance from the DGFT.

*Note 4:* Exporters are entitled to apply for a 'destination licence' for countries and/or groupings of countries for export to which only re-transfer conditions need be imposed.

*Note 5:* Exporters are entitled to request that only such conditions need be imposed as are the subject of government-to-government instruments of accord over export of items on the SCOMET List.

*Note 6:* 'Technology' (see also entry 'Technology' in the glossary in Appendix-3 to Schedule 2 of ITC(HS) ). The approval of export of an item on the SCOMET List also authorises the export to the same end-user of the minimum 'technology' required for the installation, operation, maintenance and repair of the item.

3. This issues in Public interest.

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade & Ex-officio Addl. Secy.